इकाई-1 : भारत और समकालीन विश्व-1 (इतिहास)

खण्ड-I : घटनाएँ और प्रक्रियाएँ

1 फ्रांसीसी क्रान्ति [French Revolution]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. तीसरे एस्टेट के वह समूह, जो समृद्ध और शिक्षित होकर नए विचारों के सम्पर्क में आ चुके थे, उन्होंने सामाजिक एवं आर्थिक व्यवस्था में बुनियादी बदलाव लाने के लिए जिम्मेदारी उठाई।

उत्तर—2. 20 जून, 1789 को तृतीय एस्टेट का प्रतिनिधित्व **'मिराल्यो'** तथा **'आबे सिए'** के द्वारा किया गया।

उत्तर—3. फ्रांसीसी क्रान्ति के समय फ्रांस में बूर्बों वंश का शासन था।

उत्तर—4. फ्रांसीसी क्रान्ति की शुरूआत 14 जुलाई, सन् 1789 ई. में हुई।

उत्तर—5. 18वीं सदी में फ्रांस 'मध्य वर्ग' के उदय का साक्षी बना।

उत्तर—6. जैकोबिन क्लब का मुख्य नेता **'रोबेस्प्येर'** था।

उत्तर—7. फ्रांसीसी महिलाओं को मताधिकार का अधिकार सन् 1946 में मिला।

उत्तर—8. नेपोलियन बोनापार्ट ने स्वयं को राजा 1804 ई. में घोषित किया।

उत्तर—9. सौ कुलॉत के साथ पहने जाने वाली लाल टोपी दासों द्वारा स्वतन्त्र हो जाने के बाद उनकी स्वतन्त्रता का प्रतीक थी।

उत्तर—10. महिला एवं नागरिक अधिकार घोषणा-पत्र ओलम्पे के गूज (ओलिम्प डी गॉज) के द्वारा लिखा गया।

उत्तर—11. (1) **'द सोशल कॉण्ट्रेक्ट'** के लेखक रूसो है।

(2) 'लेटर्स ऑन द इंग्लिश' के लेखक वोल्टेयर हैं।

उत्तर—12. 'एक व्यक्ति एक वोट' का विचार रूसो की पुस्तक 'द सोशल कॉन्ट्रेक्ट' में है।

उत्तर—13. रोबेस्प्येर सरकार द्वारा किए गए दो कार्य हैं—

(1) किसानों को अपना अनाज शहरों में ले जाकर सरकार द्वारा तय मूल्य पर बेचने के लिए बाध्य किया गया।

(2) सभी नागरिकों के लिए साबुत गेंहूँ से बनी और बराबरी का प्रतीक समझी जाने वाली 'समता रोटी' को खाने के लिए अनिवार्य कर दिया गया।

उत्तर—14. टीपू सुल्तान और राजा राममोहन राय फ्रांसीसी क्रान्ति के विचारों से प्रभावित हुए।

उत्तर—15. मॉण्टेस्क्यू की पुस्तक 'द स्पिरिट ऑफ द लॉज' में सरकार के अन्दर विधयिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के मध्य सत्ता के विभाजन के उद्देश्य को इंगित किया गया है।

उत्तर—16. प्रारम्भिक वर्षों में क्रान्तिकारी सरकार ने महिलाओं के जीवन में सुधार लाने वाले कानून लागू किए, जिससे इन्हें सरकारी स्कूलों में शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार प्राप्त हुआ, जो अनिवार्य शिक्षा के रूप में था।

उत्तर—17. तीसरे एस्टेट की अधिकांश महिलाएँ सिलाई-बुनाई, कपड़ों की धुलाई, बाजारों में फल-फूल सब्जियाँ बेचने का कार्य, तथा अधिकांश महिलायें वेश्यावृत्ति का कार्य करती थी।

उत्तर—18. फ्रांसीसी संविधान के अनुसार मानव के प्राकृतिक एवं नैसर्गिक अधिकार हैं—जीवन के अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता के अधिकार और कानूनी बराबरी के अधिकार।

उत्तर—19. 1792 ई. निर्मित असेम्बली का नाम नेशनल असेम्बली था।

उत्तर—20. लुई सोलहवे के द्वारा फ्रांसीसी राजतन्त्र का उन्मूलन किया गया।

उत्तर—22. 'टेनिस कोर्ट की शपथ' यह थी कि जब तक सम्राट की शक्तियों को कम करने वाला संविधान तैयार नहीं किया जाएगा, तब तक असेम्बली भंग नहीं होगी।

उत्तर—23. दांते इतावनी कवि और राजनीतिज्ञ थे।

उत्तर—24. डायरेक्टरी फ्रांसीसी क्रान्ति के अन्तिम चार वर्षों का नाम है। नोपोलियन ने सन् 1799 में इसे भंग किया।

उत्तर—25. फ्रांस की क्रान्ति के दो परिणाम—(1) गणतन्त्र की स्थापना, नेपोलियन ने तानाशाही का अन्त किया।

उत्तर—26. नेपोलियन बोनापार्ट का जन्म 1769 ई. में रोम सागर के द्वीप कार्सिका की राजधानी अजासियो में हुआ था।

उत्तर—27. नेपोलियन ने स्वयं को सन् 1799 में प्रथम काउंसिल निर्वाचित करवाया था।

उत्तर—28. नेपालियन बोनापार्ट की सन् 1815 में वाटरलू में हार हुई।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 9 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 10 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 10 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 16 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 11 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 19 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 11 पर देखिए।

उत्तर—8. पृ.सं. 11 पर देखिए।

उत्तर—9. पृ.सं. 17 पर देखिए।

उत्तर—10. पृ.सं. 10 पर देखिए।

उत्तर—11. पृ.सं. 11 पर देखिए।

उत्तर—12. पृ.सं. 21 पर देखिए।

उत्तर—13. पृ.सं. 16-17 पर देखिए।

उत्तर—14. पृ.सं. 13-14 पर देखिए।

उत्तर—15. पृ.सं. 9 पर देखिए।

उत्तर—16. पृ.सं. 9 पर देखिए।

उत्तर—17. पृ.सं. 10 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. अध्यापक की सहायता से छात्र स्वयं करें।

उत्तर—2. पृ.सं. 21 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 10 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 21 पर देखिए।

उत्तर—5. अध्यापक की सहायता से छात्र स्वयं करें।

उत्तर—6. पृ.सं. 21 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 24-25 पर देखिए।

उत्तर—8. पृ.सं. 26 पर प्रश्न नं. 3 का उत्तर देखिए।

2 यूरोप में समाजवाद एवं रूसी क्रान्ति [Socialism in Europe and the Russian Revolution]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. 1870 के दशक तक समाजवादी विचार पूरे यूरोप में फैल गए। अपने प्रयासों को समान्वित करने के लिए, समाजवादियों ने एक अन्तर्राष्ट्रीय निकाय का गठन किया जिसका नाम द्वितीय इण्टरनेशनल (अन्तर्राष्ट्रीय) था।

उत्तर—2. रूस में आर्थिक, सामाजिक तथा राजनीतिक के लक्ष्य को सम्मुख रखकर बनाई गयी सामाजिक, आर्थिक व्यवस्था जिस विचारधारा पर आधारित समझी जाती थी, उसे समाजवाद कहा जाता था।

उत्तर—3. महिला आन्दोलन के पीछे मुख्य कारण था, उनको कम मजदूरी मिलती थी इसके कारण उनके घरों में खाद्य-पदार्थों की कमी थी।

उत्तर—4. उदारवादी एवं रेडिकल के विचारों का विरोध रूढ़िवादी वर्ग ने किया।

उत्तर—5. कुलक रूस के सम्पन्न किसान थे।

उत्तर—6. रूढ़िवादी चाहते थे कि अतीत को पूर्णतया ठुकराया न जाए बल्कि उसका सम्मान करते हुए बदलाव अत्यन्त धीमे-धीमे हो।

उत्तर—7. 1815 ई. में क्रान्तिकारियों द्वारा यूरोप में सरकार से छुटकारा पाने के लिए राजा के विरुद्ध षड्यन्त्र रचा गया।

उत्तर—8. फरवरी, 1917 में राजशाहों के पतन तथा अक्टूबर, 1917 की घटनाओं को 'रूसी क्रान्ति' कहा जाता है।

उत्तर—9. 1870 ई. में समाजवादियों द्वारा स्थापित अन्तर्राष्ट्रीय संस्था का नाम 'द्वितीय इण्टरनेशनल' था।

उत्तर—10. रूस में होने वाले गृह युद्ध का समय फरवरी, 1917 था।

उत्तर—11. सामूहिक खेतों को कोलखोज कहा जाता था।

उत्तर—12. समाजवादी समाज के बीमार होने में मुख्य कारक सम्पत्ति के निजी स्वामित्व की व्यवस्था को मानते थे।

उत्तर—13. 'नया समन्वय' नामक सहकारी समुदाय का सुझाव समाजवादी ने किया था।

उत्तर—14. सन् 1917 की रूसी विश्व इतिहास की सबसे महत्त्वपूर्ण घटनाओं में से एक हैं। इसके परिणामस्वरूप रूस से जार के स्वेच्छाचारी शासन का अन्त हुआ। रूसी सोवियत संघात्मक समाजवादी गणराज्य की स्थापना हुई।

उत्तर—15. कोल्शेविक पार्टी को रूसी कम्युनिस्ट पार्टी नया नाम दिया गया।

उत्तर—16. 'विण्टर पेलेस' पर ऑरोरा युद्धपोत द्वारा आक्रमण किया गया।

उत्तर—17. जार द्वितीय के काल में रूस में केथलिक, प्रोटेस्टेंट, मुस्लिम और बौद्ध शामिल थे।

उत्तर—18. कामगारों के समूह में धातुकर्मी समूह कुलीन श्रमिक के रूप में चिह्नित था।

उत्तर—19. रूस में कम्यून कहे जाने वालों को लोग दूसरे नाम **'मीर'** से जानते थे।

उत्तर—20. वर्ष 1905 के पश्चात् 'यूनियन ऑफ यूनियन्स' प्रतिनिधि संस्था का गठन किया गया।

उत्तर—21. लेनिन द्वारा प्रस्तुत 'अप्रैल थीसिस' की मुख्य तीन बातें थीं—(1) युद्ध समाप्त किया जाए, (2) समस्त भूमि किसानों के हवाले की जाए, (3) बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया जाए।

उत्तर—22. रूस में जार के पतन की घटना हुई थी।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 37-38 पर देखिए।
उत्तर—2. पृ.सं. 36-37 पर देखिए।
उत्तर—3. पृ.सं. 36 पर देखिए।
उत्तर—4. पृ.सं. 37 पर देखिए।
उत्तर—5. पृ.सं. 40 पर देखिए।
उत्तर—6. पृ.सं. 50 पर देखिए।
उत्तर—7. पृ.सं. 38-39 पर देखिए।
उत्तर—8. पृ.सं. 50 पर देखिए।
उत्तर—9. पृ.सं. 38 पर देखिए।
उत्तर—10. पृ.सं. 50 पर देखिए।
उत्तर—11. पृ.सं. 41 पर देखिए।
उत्तर—12. पृ.सं. 46 पर देखिए।
उत्तर—13. पृ.सं. 41 पर देखिए।
उत्तर—14. पृ.सं. 42-43 पर देखिए।
उत्तर—15. पृ.सं. 46 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 37 पर देखिए।
उत्तर—2. पृ.सं. 41-42 पर देखिए।
उत्तर—3. पृ.सं. 42-43 पर देखिए।
उत्तर—4. पृ.सं. 37-38 पर देखिए।
उत्तर—5. पृ.सं. 41 पर देखिए।
उत्तर—6. पृ.सं. 38-39 पर देखिए।

3 नात्सीवाद और हिटलर का उदय [Nazism and the Rise of Hitler]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. 28 जून 1919 को हस्ताक्षरित एक शान्ति संधि थी। प्रथम विश्व युद्ध की सबसे महत्त्वपूर्ण सन्धि के रूप में जिसने जर्मनी और अधिकांश मित्र शक्तियों के बीच युद्ध की स्थिति को समाप्त कर दिया।

उत्तर—2. वर्साय सन्धि नाम था।

उत्तर—3. यूरोप में उन लोगों का समूह जो देश में ऐसी सरकार के पक्ष में थे जो देश की आबादी के बहुमत के समर्थन पर आधारित हो।

उत्तर—4. 28 जुलाई, सन् 1914 को प्रारम्भ हुआ।

उत्तर—5. डॉब्स योजना प्रथम विश्व युद्ध से सम्बन्धित है।

उत्तर—6. जर्मनी में संगठित स्पार्टकिस्ट लीग बोल्शेविक क्रान्ति की तर्ज पर स्थापित की गई।

उत्तर—7. प्रथम विश्व युद्ध जर्मनी ने मित्र राष्ट्रों (फ्रांस, रूस, ग्रेट ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका, इटली तथा जापान के विरुद्ध लड़ा था। इस युद्ध के सबसे महत्त्वपूर्ण परिणाम जर्मनी की हार तथा युद्ध में क्षतिपूर्ति की भरपाई जर्मनी के द्वारा।

उत्तर—8. 1933 का विशेषाधिकार अधिनियम, एक ऐसा कानून था, जिसने जर्मनी केबिनेट को-विशेष रूप से चांसलर राइखस्टेंग की भागीदारी के बिना कानून बनाने की शक्ति या वाइमर राष्ट्रपति पॉल वॉन हिंडनवर्ग के साथ परामर्श करने और वाइमर संविधान के मूलभूत पहलुओं को अवहेलना करने की शक्ति।

उत्तर—9. 'नाइट ऑफ ब्रोन ग्लास' नवम्बर 1938 के एक जनसंहार में यहूदियों से सम्बन्धित है। इसमें यहूदियों की सम्पत्तियों को तहस-नहस किया गया, लूटा गया, उनके घरों पर हमले हुए, यहूदी प्रार्थना घर जला दिए गए और उन्हें गिरफ्तार किया गया। इस घटना को 'नाइट ऑफ ब्रोकन ग्लास' के नाम से याद किया जाता है।

उत्तर—10. यूथनेजिया (दया मृत्यु) अपनी इच्छा से मृत्यु का वरण करना। इच्छा-मृत्यु यानी किसी की मदद से आत्महत्या।

उत्तर—11. जर्मनी में ईसाइयों के मन में यहूदियों के विषय में यह विचारधारा प्रचलित थी कि लोगों के बीच समानता नहीं थी, लेकिन केवल एक नस्लीय पदानुक्रम था।

उत्तर—12. अति मुद्रास्फीति से आशय है एक ऐसी स्थिति है जहाँ कीमत वृद्धि बहुत तेज होती है, ये तेजी से स्थानीय मुद्रा के वास्तविक मूल्य को मिटाती है, और निवासियों को स्थानीय धन पर अपने स्वामित्व को कम करने के लिए मजबूर करती है। यह जर्मनी में सन् 1923 में घटित हुई।

उत्तर—13. प्रथम विश्व युद्ध सन् 1918 में समाप्त हुआ।

उत्तर—14. 'नवम्बर के अपराधी' शब्द सामान्यत: जर्मन राजनेताओं के लिए उपयोग किया जाता था।

उत्तर—15. विशेषाधिकार अधिनियम के अन्तर्गत में बाकायदा तानाशाही स्थापित कर दी गई। इस कानून ने हिटलर को संसद को हाशिए पर धकेलने और केवल अध्यादेशों के जरिए शासन चलाने का निरंकुश अधिकार प्रदान कर दिया।

उत्तर—16. द एटर्नल न्यू (अक्षत यहूदी) से सम्बन्धित सर्वाधिक कुख्यात फिल्म थी।

उत्तर—17. यहूदी नरसंहार, जिसे दुनियाभर में होलोकॉस्ट के नाम से जाना जाता है, यूरोपी यहूदियों का नाजी जर्मनी द्वारा किया गया एक जाति-संहार था।

उत्तर—18. वर्ष 1923 में हिटलर ने बार्लिन के पश्चात् जर्मनी पर आक्रमण किया।

उत्तर—19. प्रथम विश्व युद्ध के अन्त में लिए नरसंहार की घटना जिम्मेदार थी।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 59 पर देखिए।
उत्तर—2. पृ.सं. 58-59 पर देखिए।
उत्तर—3. पृ.सं. 69-70 पर देखिए।
उत्तर—4. पृ.सं. 62-63 पर देखिए।
उत्तर—5. पृ.सं. 68 पर देखिए।
उत्तर—6. पृ.सं. 60 पर देखिए।
उत्तर—7. पृ.सं. 70-71 पर देखिए।
उत्तर—8. पृ.सं. 61-62 पर देखिए।
उत्तर—9. पृ.सं. 72-73 पर देखिए।
उत्तर—10. पृ.सं. 60 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 65-66 पर देखिए।
उत्तर—2. पृ.सं. 69 पर देखिए।
उत्तर—3. पृ.सं. 60 पर देखिए।
उत्तर—4. पृ.सं. 62 पर देखिए।

खण्ड-II : जीविका, अर्थव्यवस्था एवं समाज

4 वन्य समाज एवं उपनिवेशवाद
[Forest Society and Colonialism]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. ऐसे वन जिनमें व्यावसायिक दृष्टि से कीमती लकड़ी के पेड़ लगे होते हैं। इन वनों में से किसी को भी पेड़ काटने की अनुमति नहीं होती।

उत्तर—2. वन अधिनियम, 1878 के अन्तर्गत वनों को तीन वर्गों (श्रेणियों) में विभक्त किया गया—(1) आरक्षित, (2) संरक्षित तथा (3) ग्रामीण।

उत्तर—3. वनों के क्षेत्रों में बहुत से पेड़ों को जलाया या काटा जाता है।

उत्तर—4. 17वीं सदी में वनों के विनाश के लिए उत्तरदायी दो कारण—

(1) व्यावसायिक वानिकी का आरम्भ।

(2) बागवनी कृषि को प्रोत्साहन।

उत्तर—5. डायट्रिच ब्रैंडिस पहला वन निदेशक था। उसे भारत में नए वन नियमों और अनुसंधान और प्रशिक्षण सुविधाओं को बनाने में मदद के लिए बुलाया गया।

उत्तर—6. भारत में भारतीय वन सेवा डायट्रिच ब्रैंडिस ने स्थापित की।

उत्तर—7. क्योंकि रेल की पटरियाँ इमारती लकड़ी से बनी होती थीं और लोकोमोटिव को चलाने के लिए ईंधन के रूप में लकड़ी की आवश्यकता होती थी।

उत्तर—8. भारत में भयंकर अकाल पड़ा।

उत्तर—9. गुंडा धूर नेथानगर गाँव का एक आन्दोलनकारी था जिसने अंग्रेजों के विरुद्ध बगावत में सक्रिय भाग लिया।

उत्तर—10. डचों ने जावा (इंडोनेशिया) में भस्म करो भागो नीति के तहत आरा-मशीनों और सागोन के विशाल लट्ठों के ढेर जला दिए। और जावा के लोगों ने वहाँ खेती का विस्तार किया।

उत्तर—11. वन क्षेत्र में बसाए गए गाँव के लोग जिन्हें वन-विभाग द्वारा पेड़ों की कटाई, परिवहन, और वनों को आग से सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी सौंपी जाती थी।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 86-87 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 89-90 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 87 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 86 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 85 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 91 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 85-86 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 82-83 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 85-86 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 87 पर देखिए।

5 आधुनिक विश्व के चरावाहे [Pastoralists in the Modern World]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. ये ऐसे लोग हैं, जो एक स्थान पर नहीं रहते बल्कि अपनी रोजी-रोटी (आजीविका) की जुगाड़ में अपने पशुओं के साथ एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमते रहते हैं।

उत्तर—2. महाराष्ट्र का मुख्य गड़रिया कबीला धंगर है। मानसून के समय धंगर चरवाहे अपना निवास सूखे पठारों पर बनाते हैं।

उत्तर—3. 'गुज्जर बकरवाल' जम्मू और कश्मीर के घूमंतू चरवाहे है जो सर्दियों में शिवालिक की निचली पहाड़ियों में रहते हैं।

उत्तर—4. हिमाचल प्रदेश के घूंमतू चरवाहे को 'गद्दी' कहते हैं। ये अपनी गर्मियाँ लाहोल और स्पीति में बिताते हैं।

उत्तर—5. संरक्षित वनों के सम्बन्ध में चरवाहों को पशुपालन के कुछ परम्परागत अधिकार दिए हैं।

उत्तर—6. जिन वनों में देवदार या साल जैसी बहुमूल्य लकड़ी के वृक्ष थे।

उत्तर—7. धंगर चरवाहों का मुख्य पेशा पशुपालन था।

उत्तर—8. क्योंकि कोंकड़ी के लोगों को खेत को रवी की फसल के लिए दोबारा उपजाऊ बनाना होता है। धंगरों के मवेशी खरीफ की कटाई के बाद खेतों में बची ठूँठों को खाते थे और गोबर से खेतों को खाद मिल जाती थी।

उत्तर—9. भारत के विभिन्न भागों में स्थित प्रमुख चरवाहों के नाम हैं—गुज्जर, बकरवाल, गद्दी, धंगर, गोल्ला, कुस्मा कुरुबा, बंजारा आदि।

उत्तर—10. बंजारे चरवाहे थे, ये उत्तर-प्रदेश, पंजाब, मध्यप्रदेश और महराष्ट्र में कई क्षेत्रों में रहते हैं। बंजारे चारे और अनाज के बदले गाँव वालों को खेत जोतने वाले जानवर और दूसरी चीजें बेचते थे।

उत्तर—11. औपनिवेशिक सरकार ने अपराधी जनजाति अधिनियम सन् 1871 में पारित किया। इसमें चरवाहों को अपराधी मानकर सजा देने का प्रावधान किया। चरवाहे स्वतन्त्र होकर जंगलों में नहीं जा सकते थे।

उत्तर—12. 'मासाई' से अभिप्राय अफ्रीका का एक समुदाय।

उत्तर—13. गोल्ला, कुस्मा और कुरुबा समुदाय।

उत्तर—14. काफिला—जब अनेक परिवार एक साथ यात्रा करते हैं, तो उनके समूह को 'काफिला' कहते हैं। परम्परागत अधिकार—पराम्परा और रीति-रिवाज पर मिलने वाले अधिकार।

उत्तर—15. गद्दी और भावर समुदाय।

उत्तर—16. धंगर गोल्ला, कुस्मा, कुरुबा।

उत्तर—17. अफ्रीका के दो खानाबदोश समुदायों के नाम—बेदुईन्स, बरवेर्स।

उत्तर—18. आरक्षित वन देवदार तथा साल के वृक्ष वाले वन थे।

उत्तर—19. संरक्षित वन वे वन थे इनमें लोगों की आवाजाही पर रोक थी।

उत्तर—20. साम्बुरु नेशनलपार्क, नेपाल में अव्यवस्थित है।

उत्तर—21. चारगाहों की गम्भीर कमी, चारगाहों का अत्यधिक उपयोग चारागाहों के स्तर में गिरावट, पशुओं के स्वास्थ्य में कमी।

उत्तर—22. चारागाहों पर पशुचारण का अत्यधिक दबाव हो गया जिससे चारे की कमी रहने लगी।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 98-99 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 99 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 100 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 104 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 100 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 104 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 98-99 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 104 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 104-105 पर देखिए।

इकाई-2 : समकालीन भारत-1 (भूगोल)

1 भारत : आकार और स्थिति
[India : Size and Location]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. भारत का मानक समय ग्रीनविच के समय से 5 घण्टे 30 मिनट आगे है।

उत्तर—2. अरब सागर को स्पर्श करने वाले भारतीय चार राज्य हैं—गुजरात, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र।

उत्तर—3. असम, पश्चिम बंगाल, मिजोरम, मेघालय।

उत्तर—4. उत्तरप्रदेश—लखनऊ, मध्यप्रदेश—भोपाल, बिहार—पटना।

उत्तर—5. तेलंगाना और आन्ध्र प्रदेश।

उत्तर—6. श्रीलंका और मालद्वीप।

उत्तर—7. भारत के पूर्व में बंगाल की खाड़ी, पश्चिम में अरब सागर तथा दक्षिण में हिन्द महासागर स्थित है।

उत्तर—8. हरियाणा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और झारखण्ड।

उत्तर—9. कश्मीर भूमध्यय रेखा से बहुत दूर स्थित है इसलिए कन्याकुमारी की तुलना में दिन और रात में अंतर अधिक है।

उत्तर—10. भारत की प्रामाणिक समय रेखा 82°30' पूर्व देशांतर में स्थित है और यह इलाहाबाद के पास मिर्जापुर से होकर गुजरती है।

उत्तर—11. जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तरप्रदेश।

उत्तर—12. 28 राज्य तथा 8 केन्द्रशासित प्रदेश हैं।

उत्तर—13. क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य राजस्थान तथा सबसे छोटा राज्य गोवा है।

उत्तर—14. पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, बिहार एवं झारखंड।

उत्तर—15. भारत की स्थलीय सीमा की लम्बाई 15,200 किमी तक फैली हुई है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 115 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 116 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 115 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 115-116 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 115 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. भारत में राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों का विवरण-राज्य और उनकी राजधानियाँ।

1.	आन्ध्रप्रदेश	—	हैदराबाद
2.	अरुणाचल प्रदेश	—	ईटानगर
3.	असम	—	दिसपुर
4.	बिहार	—	पटना
5.	छत्तीसगढ़	—	रायपुर
6.	गोवा	—	पणजी
7.	गुजरात	—	गाँधीनगर
8.	हरियाणा	—	चंडीगढ़
9.	हिमाचल प्रदेश	—	शिमला
10.	झारखंड	—	राँची
11.	कर्नाटक	—	बेंगलुरु
12.	केरल	—	तिरुवनंतपुरम
13.	मध्यप्रदेश	—	भोपाल
14.	महाराष्ट्र	—	मुम्बई
15.	मणिपुर	—	इंफाल
16.	मेघालय	—	शिलांग
17.	ओडिशा	—	भुवनेश्वर
18.	नागालैण्ड	—	कोहिमा
19.	मिजोरम	—	आइजोल
20.	पंजाब	—	चंड़ीगढ़
21.	राजस्थान	—	जयपुर
22.	सिक्किम	—	गंगटोक
23.	तमिलनाडु	—	चेन्नई
24.	तेलंगाना	—	हैदराबाद

25. त्रिपुरा — अगरतला
26. उत्तरप्रदेश — लखनऊ
27. उत्तराखण्ड — देहरादून
28. पश्चिम बंगाल — कोलकाता

केन्द्रशासित प्रदेश — राजधानी

1. अंडमान व निकोबार द्वीप समूह — पोर्ट ब्लेयर
2. दिल्ली — नई दिल्ली
3. लक्षद्वीप — कवरत्ती
4. दमन और द्वीव — दमन
5. चंडीगढ़ — चंडीगढ़
6. पुदुचेरी — पांडुचेरी
7. जम्मू और कश्मीर — गर्मी श्रीनगर, सर्दी जम्मू
8. लद्दाख — लेह

उत्तर—2. पृ.सं. 115-116 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 117 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 117 पर देखिए।

E:\Ranjana Social Science-9 Solution\third proof Sarita Graphics

2 भारत का भौतिक स्वरूप
[Physical Features of India]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. अंडमान-निकोबार द्वीप जलमग्न पहाड़ियों पर स्थित हैं। इनमें से कुछ की उत्पत्ति ज्वालामुखी उद्गारों से हुई है।

उत्तर—2. पूर्वांचल पहाड़ियाँ मजबूत बलुआ पत्थरों जो अवसादी शैल हैं, उनसे बनी है। ये घने जंगलों से ढकी हैं तथा अधिकतर समानांतर श्रृंखलाओं एवं घाटियों के रूप में फैली हैं। पूर्वांचल से पटकाईबूम, नागा, लुसाई, मिजोरम तथा मणिपुर पहाड़ियाँ शामिल हैं।

उत्तर—3. (1) यह तीन ओर से समुद्र से घिरा हुआ है।

(2) इसमें कुछ भागों में काली मृदा पायी जाती है।

(3) प्रायद्वीपीय पठार असमतल है।

उत्तर—4. उत्तरी मैदान का निर्माण सिन्धु, गंगा और इनकी सहायक नदियों द्वारा हुआ।

उत्तर—5. गोंडवाना भूमि—एक प्राचीन विशाल महाद्वीप जो कि दक्षिण गोलार्द्ध में स्थित है।

वितरिकाएँ—किसी नदी के सागर में मिलने से पहले कई शाखाओं में विभाजित होने वाली शाखाओं को वितरिकाएँ कहते हैं।

इन—निम्न हिमाचल और शिवालिक के बीच स्थित लम्बवत् घाटी को 'इन' के नाम से जाना जाता है।

उत्तर—6. प्रायद्वीपीय पठार का निर्माण पुराने क्रिस्टलीय, आग्नेय तथा रूपांतरित शैलों से हुआ है।

उत्तर—7. उत्तरी मैदान को चार भागों में विभाजित किया जा सकता है—भाबर, तराई, भांगर तथा खादर।

उत्तर—8. तीन भागों में बाँटा जा सकता है—कोंकण तट, कन्नड मैदान और मालाबार तट।

उत्तर—9. ज्यादातर राजस्थान के जैसलमेर में पाये जाते हैं।

उत्तर—10. उत्तरी मैदानों को तीन नदी तन्त्रों में बाँटा जा सकता है—सिन्धु, गंगा तथा ब्रह्मपुत्र।

उत्तर—11. गंगा में मैदान का विस्तार घाग्घर तथा तिस्ता नदियों के बीच है। यह उत्तरी भारत में राज्यों हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड के कुछ भाग तथा पश्चिम बंगाल में फैला है। ब्रह्मपुत्र का मैदान इसके पश्चिम विशेषकर असोम में स्थित है।।

उत्तर—12. (1) इनका विस्तार सतत नहीं है। (2) ये अनियमित है।

उत्तर—13. एक ओर की शिलाएँ दूसरी ओर की शिलाओं की अपेक्षा नीचे या ऊपर चली जाती हैं, इसे ही भ्रंश घाटी कहते हैं।

उत्तर—14. दलदली क्षेत्र जहाँ की मिट्टी में अधिक नमी होती है, उसे तराई प्रदेश कहते हैं, इनकी दो विशेषताएँ निम्न हैं—यह क्षेत्र घने वनों से आच्छादित है।

यह प्रदेश दलदली भूमि से युक्त है।

उत्तर—15. भारत के छह भौतिक विभाग हैं—राजसी हिमालय पर्वत, उपजाऊ उत्तरी मैदान, शुष्क भारतीय रेगिस्तान, ऊबड़खाबड़ प्रायद्वीपीय पठार, सुरम्य तटीय मैदान और मनमोहक द्वीप।

उत्तर—16. (1) इस भाग में अक्सर भूकंप आते रहते हैं तथा भूस्खलन भी होते रहते हैं। हिमालय की इस श्रेणी में सर्वाधिक मृदा अपरदन भी होता है।

(2) यह पर्वत श्रेणी जलोढ़ अवसादों से निर्मित है। इसलिए इसकी शैलें कमजोर हैं।

उत्तर—17. पश्चिमी घाट की सबसे ऊँची चोटी अनेमुडी (केरल) है। इसकी ऊँचाई 2695 मी. है।

उत्तर—18. जलोढ़ मैदान ऐसी स्थलाकृति होती है जहाँ किसी स्थान पर एक या अनेक नदियों के बहते जल में किसी उच्च भूमीय क्षेत्र से तलछट मिले हुए आते हैं और एक लम्बे काल तक भूमि पर जमा रहते हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 126 पर देखिए।
उत्तर—2. पृ.सं. 127 पर देखिए।
उत्तर—3. पृ.सं. 126 पर देखिए।
उत्तर—4. पृ.सं. 129 पर देखिए।
उत्तर—5. पृ.सं. 126 पर देखिए।
उत्तर—6. पृ.सं. 128 पर देखिए।
उत्तर—7. पृ.सं. 129 पर देखिए।
उत्तर—8. पृ.सं. 129 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 132 पर देखिए।
उत्तर—2. पृ.सं. 126 पर देखिए।
उत्तर—3. पृ.सं. 133 पर देखिए।
उत्तर—4. पृ.सं. 127-128 पर देखिए।
उत्तर—5. पृ.सं. 128 पर देखिए।
उत्तर—6. पृ.सं. 132 पर देखिए।
उत्तर—7. पृ.सं. 128 पर देखिए।

3 अपवाह [Drainage]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृथ्वी पर स्वच्छ जल की उपलब्ध मात्रा, 2.7 प्रतिशत है।

उत्तर—2. भारत के पंजाब, हरियाणा एवं राजस्थान के दक्षिण-पश्चिमी भागों में सिन्धु नदी तन्त्र के जल से सिंचाई होती है।

उत्तर—3. राजस्थान में स्थित खारे पानी की प्रसिद्ध झील का नाम सांभर झील है। इनके नाम से खाने वाला नमक बनाया जाता है।

उत्तर—4. सिन्धु जल सन्धि के अनुसार भारत सिन्धु नदी क्षेत्र के 20% जल का उपभोग कर सकता है।

उत्तर—5. भारत में नदियों को प्रदूषण से बचाने के लिए राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना बनायी गई है।

उत्तर—6. गंगा नदी तंत्र उत्तराखण्ड, हरियाणा, दक्षिण-पूर्वी राजस्थान, उत्तरी मध्य प्रदेश, उत्तर-प्रदेश, बिहार तथा पश्चिम बंगाल राज्यों में जल का अपवाह करता है।

उत्तर—7. शिवसमुद्रम जलप्रपात मैसूर, बंगलुरु तथा कोलार स्वर्ण क्षेत्र को विद्युत प्रदान करता है।

उत्तर—8. सिन्धु जल समझौता सन्धि 1960 ई. में भारत और पाकिस्तान के बीच किया गया था। सिन्धु जल समझौता सन्धि के अनुच्छेदों (1960) के अनुसार भारत इस नदी प्रक्रम के सम्पूर्ण जल का केवल 20 प्रतिशत जल का उपयोग कर सकता है। इस जल का उपयोग हम पंजाब, हरियाणा एवं राजस्थान के दक्षिण पश्चिमी भागों में सिंचाई के लिए करते हैं।

उत्तर—9. ओडिशा की चिल्का झील तथा तमिलनाडु की पुलिकट झील।

उत्तर—10. किसी अपवाह प्रणाली का स्वरूप उस क्षेत्र की स्थलाकृति और जलवायु पर निर्भर होता है।

उत्तर—11. उत्पत्ति के आधार पर भारत की नदियों को दो भागों में विभक्त किया जा सकता है—(1) हिमालय की नदियाँ, (2) प्रायद्वीपीय नदियाँ।

उत्तर—12. प्रायद्वीपीय भारत की प्रमुख नदी द्रोणियों के नाम हैं—नर्मदा, द्रोणी, गोदावरी द्रोणी, महानदी द्रोणी, कृष्णा द्रोणी, कावेरी द्रोणी।

उत्तर—13. हिमालय पर्वत के तीन प्रमुख नदी तन्त्र सिन्धु नदी तन्त्र, गंगा नदी तन्त्र तथा ब्रह्मपुत्र नदी तन्त्र।

उत्तर—14. देश की कई नदियाँ समुद्र तक पहुँचने से पहले ही खत्म हो जाती हैं तथा इन सबको ही आन्तरिक जल निकास प्रणाली कहा जाता है।

उत्तर—15. भारत देश में बाढ़ क्षेत्र बंगाल, उड़ीसा, आन्ध्र प्रदेश, केरल, असम, बिहार, गुजरात, उत्तरप्रदेश, हरियाणा तथा पंजाब हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 139 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 141-142 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 140 पर देखिए।

उत्तर—4. बारहमासी और मौसमी नदियों में अन्तर—

(1) हिमालय की नदियाँ बारहमासी होती हैं जबकि प्रायद्वीपीय नदियाँ मौसमी होती हैं।

(2) हिमालय की नदियाँ अपने विकास क्रम में नवीन हैं और नवीन वलित पर्वतों के माध्यम से प्रवाहित होती हैं जबकि प्रायद्वीपीय नदियाँ प्रौढ़ावस्था में है और प्रायद्वीपीय पठारों से होकर प्रवाहित होती हैं।

उत्तर—5. पृ.सं. 143 पर देखिए।

उत्तर—6. किसी नदी के प्रवाह में बहने वाले तलछट (अवसादों जैसे की मिट्टी व अन्य सामग्री) के ऐसे स्थान में ठहरने व फैलाने से बने त्रिभुज आकार के स्थलरूप को कहते हैं, जहाँ नदी का बहाव धीमा हो जाता है। (चित्र पृ.सं. 140 पर देखिए।)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 140-141पर देखिए।

उत्तर—2. डेल्टा और ज्वारनदमुख में अन्तर—(1) नदी द्वारा बहाकर लाए गए अवसादों के मुहाने पर त्रिभुजाकार जमाव को डेल्टा कहते हैं। नदी में मुहाने पर बनी सँकरी व गहरी घाटी को एश्चुअरीया ज्वारनदमुख कहते हैं।

(2) गंगा, ब्रह्मपुत्र, काबेरी, कृष्णा, गोदावरी व महानदियाँ डेल्टा बनाती हैं, जबकि भारत की नर्मदा तथा ताप्ती नदियाँ ज्वारनदमुख बनाती हैं।

(3) डेल्टा प्रदेश में नदी कई उपनदियों या जल वितरिकाओं में विभाजित हो जाती है जबकि ज्वारनदमुख में नदी उपनदियों या जल वितरिकाओं में विभाजित नहीं होती।

उत्तर—3. पृ.सं. 142 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 143 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 140-141 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 143 पर कारण देखिए। **जल प्रदूषण के उपाय**—नदियों को प्रदूषण मुक्त रखने के लिए हमें प्लास्टिक की थैलियों, बोतल या अन्य सामग्री नदियों में या उनके किनारे नहीं फेंकने चाहिए। इससे कचरा उड़कर नदियों में चला जाता है। नदियों के तटों को साफ रखना चाहिए। नदियों में पशुओं को नहीं धोना चाहिए।

4 जलवायु [Climate]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. मौसम—किसी क्षेत्र में किसी विशिष्ट समय पर वायुमंडल की दशा को कहा जाता है। जब किसी दिन के तापमान, वायुदाब, वायु-दिशा एवं गति पर सम्मिलित रूप से विचार किया जाता है, तब वह उस दिन का 'मोसिम' कहालाता है।

मानसून—मानसून से तात्पर्य ऐसी जलवायु से है जिसमें ऋतु के अनुसार पवनों की दिशा में उत्क्रमण हो जाता है। मानसून शब्द अरबी भाषा के 'मेसिन' से लिया गया है। जिसका शाब्दिक अर्थ मौसम है।

उत्तर—2. मौसम और जलवायु के छह मुख्य तत्व तापमान, वायुमंडलीय दबाव, हवा, आर्द्रता, वर्षा तथा बादल हैं।

उत्तर—3. (1) भारत में मानसून अनिश्चित होता है।

(2) भारत के विभिन्न स्थानों में वर्ष प्रतिवर्ष प्राप्त होने वाली वर्षा की मात्रा में बहुत परिवर्तनशीलता पाई जाती है। ये 15% से 80% तक होती है।

उत्तर—4. सबसे अधिक तापमान आन्ध्रप्रदेश तथा सबसे कम तापमान कारगिल है।

उत्तर—5. पश्चिमी विक्षोभ सर्दियों के महीनों की मौसम सम्बन्धी घटनाएँ हैं जो भूमध्यसागरीय क्षेत्र की ओर से होने वाले वायु के पश्चिमी प्रवाह से सम्बन्धित है। अथवा भारतीय उपमहाद्वीपीय के उत्तरी भाग में उत्तर-पश्चिम की ओर से चलने वाली चक्रवातीय पवन व्यवस्था को पश्चिमी विक्षोभ कहते हैं।

उत्तर—6. मई और जून के महीनों में भारत के उत्तर-पश्चिमी भागों में चलने वाली अत्यन्त गर्म तथा शुष्क पवनों को 'लू' कहते हैं।

उत्तर—7. मानसून के पीछे हटते समय उमसभरा मौसम, दिन में ऊँचा तापमान, भूमि जल प्लावित, साफ आकाश तथा असहनीय गर्म दिन वाला मौसम।

उत्तर—8. (1) अरब सागर की शाखा, (2) बंगाल की खाड़ी की शाखा।

उत्तर—9. भारत की चार ऋतुएँ—वर्षा, ग्रीष्म, शरद, शीत।

उत्तर—10. शीत ऋतु के सामान्य तापमान में 5°C या उससे अधिक तापमान में कमी आने की स्थिति को 'शीतलहर' कहते हैं।

उत्तर—11. (1) भारत में सर्वाधिक वर्षा वाले दो राज्य मेघालय, अरुणाचल प्रदेश।

(2) भारत में सबसे कम वर्षा लेह में होती है।

उत्तर—12. अतिवृष्टि का अर्थ अधिक बारिश तथा अनावृष्टि का अर्थ सूखा होगा।

उत्तर—13. निमज्जन का अर्थ है जल में डूबा हुआ जलमग्न।

उत्तर—14. ग्रीष्म ऋतु में देश के आधे उत्तरी भाग में तापमान बढ़ जाने के कारण वायुदाब कम हो जाता है। परिणामस्वरूप मई के अन्त तक लम्बा संकरा निम्न वायुदाब क्षेत्र विकसित हो जाता है। इसी वायुदाब क्षेत्र को 'मानसून का निम्न वायुदाब गर्त' कहते हैं।

उत्तर—15. उत्तरी भारत में मानसून के अचानक फटने के लिए 15° उत्तरी अक्षांश के ऊपरी विकसित पूर्वी जेट वायुधारा उत्तरदायी है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. क्योंकि हवाओं में नमी की कमी होती है।

उत्तर—2. क्योंकि उच्चावच से प्रभावित होकर ये पवन पश्चिम तथा उत्तर-पश्चिम से गंगा घाटी में बहती है। सामान्यत: इस मौसम में आसमान साफ, तापमान तथा आर्द्रता कम एवं पवनें शिथिल तथा परिवर्तित होती हैं।

उत्तर—3. इस मानसून की उत्पत्ति देश के उत्तर-पश्चिमी मैदानी भाग में कम वायुदाब उत्पन्न हो जाने के कारण होती है। जून के प्रारम्भ तक निम्न वायुदाब का यह क्षेत्र इतना प्रबल हो जाता है कि दक्षिणी गोलार्द्ध की व्यापारिक पवनें भी इस ओर खिंच आती हैं। इन दक्षिण-पूर्वी व्यापारिक वनों की उत्पत्ति समुद्र से होती है। हिन्द महासागर में विषुवत रेखा को पार करके ये पवनें बंगाल की खाड़ी तथा अरब सागर में आ जाती हैं। इनकी दिशा दक्षिण-पश्चिम हो जाती है तथा विषुवतीय गर्म, धाराओं के ऊपर से गुजरने के कारण ये भारी मात्रा में आर्द्रता ग्रहण कर लेती हैं। इसके बाद ये भारत के वायुसंचरण का अंग बन जाती हैं। दक्षिण-पश्चिम दिशा के कारण इन्हें दक्षिण पश्चिम मानसून कहा जाता है।

उत्तर—4. पृ.सं. 155 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 159 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 160 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 154 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 161 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 155-156 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 155-156 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 154 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 152-153 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 155-156 पर देखिए।

5 प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी [Natural Vegetation and Wild Life]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. प्राकृतिक वनस्पति का अभिप्राय उन पेड़-पौधों, झाड़ियों और घास के समूहों से है जो प्राकृतिक रूप से धरातल पर उगते हैं।

उत्तर—2. यह ऐसी पारिस्थितिक व्यवस्था है, जिसमें पादप तथा जीवजन्तु अपने पर्यावरण से पोषण-शृंखला द्वारा संयुक्त रहते हैं।

उत्तर—3. अपने देश में उत्पन्न होने वाले पेड़-पौधे देशज हैं और इतर देश में उत्पन्न होने वाले विदेशज हैं।

उत्तर—4. (1) यह प्रदेश मरुस्थलीय है और यहाँ की मिट्टी रेतीली है।

(2) इस प्रदेश में वर्षा बहुत कम होती है।

उत्तर—5. (1) ये सदैव हरे-भरे रहते हैं। ये किसी ऋतु विशेष में अपनी पत्तियाँ नहीं गिराते हैं।

(2) ये वन 200 सेमी. से अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में भलीभाँति पनपते हैं।

उत्तर—6. भारत में शेर व बाघ—भारतीय शेरों का प्राकृतिक वास स्थल गुजरात में गीर जंगल। बाघ मध्यप्रदेश के जंगलों, पश्चिमी बंगाल और हिमालय क्षेत्र में पाये जाते हैं।

उत्तर—7. उष्ण कटिबंधीय वन पूरे भारत में इसलिए पाये जाते हैं क्योंकि उष्णकटिबंधीय वन, मानसूनी वन के विशिष्ट वन हैं, और भारत में भी मानसूनी जलवायु पायी जाती है।

उत्तर—8. मनुष्यों द्वारा पादपों और जीवों के अत्यधिक उपयोग के कारण पारिस्थितिक तन्त्र असन्तुलित हो गया है। उदाहरणस्वरूप लगभग 1300 पादप प्रजातियाँ संकट में है तथा 20 प्रजातियाँ विनष्ट हो चुकी है। काफी वन्य जीवन प्रजातियाँ भी संकट में हैं और कुछ विनष्ट हो चुकी हैं।

उत्तर—9. (1) ये वन तट के किनारे नदियों के ज्वारीय क्षेत्र में पाये जाते हैं।

(2) ज्वारीय क्षेत्र में मीठे व ताजे जल का मिलन होता है। अत: इन वनों के वृक्षों में, ऐसे जल में पनपने की क्षमता होती है।

उत्तर—10. प्रवासी पक्षी हर साल एक निश्चित समय पर हजारो किलोमीटर का सफर तय करते हैं, वे उत्तरी ध्रुव के पास के इलाकों से निम्न ओर मध्य अक्षांश के कम ठंडे इलाकों में आते हैं सर्दी खत्म होने पर वे वापस फिर से अपने पुराने क्षेत्र में लौट आते हैं। इन प्रवासी पक्षियों में साइबेरियन सारस, ग्रेटर फ्लेमिगो, रफ निदार, गुलाबी पेल्किन, गेडवाल प्रमुख हैं।

उत्तर—11. मैग्रोन वन में गंगा—ब्रह्मपुत्र डेल्टा में सुन्दरी वृक्ष पाए जाते हैं, जिनसे मजबूत लकड़ी प्राप्त होती है। नारियल, ताड़, कपोड़ा, ऐंगार के वृक्ष भी इन भागों में पाए जाते है। इस क्षेत्र में रॉयल बंगाल टाइगर प्रसिद्ध जानवर है।

उत्तर—12. कंटीले वनों में खजूर, अकासिया, नागफनी, यूफोरबियो, कीकर, खेर, बबूल आदि के वृक्ष पाये जाते हैं। इन वनों में प्राय: चूहे, लोमड़ी, खरगोश, शेर, सिंह, भेड़िया, घोड़े, जंगली गधा तथा ऊँट पाए जाते हैं।

उत्तर—13. जीवन और पर्यावरण के सन्तुलन को बनाए रखने के लिए वन्य प्राणियों का संरक्षण रखना आवश्यक है।

उत्तर—14. राष्ट्रीय उद्यान ऐसा उद्यान होता है जिसे किसी राष्ट्र की प्रशासन प्रणाली द्वारा औपचारिक रूप से संरक्षित कर दिया गया है।

उत्तर—15. जैव विविधता को सुनिश्चित एवं संरक्षित रखने के लिए स्थापित क्षेत्र।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 175 पर प्र.नं. 3 का उत्तर देखिए।

उत्तर—2. वनों को बढ़ावा निम्न कारणों से आवश्यक है—

(1) वन वन्य जीवों को संरक्षण प्रदान करते हैं।

(2) वन अकाल की स्थिति से देश को बचाते हैं।

(3) वनों में मरुस्थल का विस्तार होने पर प्रतिबन्ध लगता है तथा मृदा अपरदन रुकता है।

(4) वन वायुमंडल में नमी आकर्षित कर वर्षा कराने में सहायक है।

उत्तर—3. हमारे देश में लोगों की वनों के प्रति विशेष रूचि न होने, वन व्यवस्था अवैज्ञानिक होने, प्रशिक्षित कर्मचारियों के अभाव, वनोपज सम्बन्धी शोध कार्य में कमी तथा वन दोहन के तकनीकी ज्ञान की अनभि. ज्ञता, जलवायु का असर आदि है।

उत्तर—4. उष्णकटिबंधीय वर्षा—हाथी और बाघ।

पर्वतीय वनस्पति—हिम तेंदुआ तथा चितरा हिरन।

उत्तर—5. जैव विधिता को सुरक्षित एवं संरक्षित रखने के लिए स्थापित क्षेत्र। इसके दो उदाहरण-(i) नंदा देवी (उत्तराखंड) (ii) नीलगिरी (केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु)।

उत्तर—6. पृ.सं. 166 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 175 पर प्र.न. 4 का उत्तर देखिए।

उत्तर—2. लघु उत्तरीय का 2 का उत्तर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 175 पर प्र.नं. 5 का उत्तर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 176 पर प्र.नं. 6 का उत्तर देखिए।

6 जनसंख्या [Population]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. जनसंख्या परिवर्तन की प्रमुख प्रक्रियाएँ—(1) जन्मदर, (2) मृत्युदर, (3) प्रवास।

उत्तर—2. अरुणाचल प्रदेश एक पर्वतीय क्षेत्र है। यहाँ की जलवायु ठण्डी है। यहाँ कृषि तथा उद्योग भी विकसित नहीं हैं इसलिए यहाँ का जनघनत्व कम है।

उत्तर—3. भारत में ऊपरी गंगाघाटी तथा मालाबार क्षेत्र में अति सघन जनसंख्या है। सघन जनसंख्या के दो कारण इस प्रकार हैं—

(1) इन प्रदेशों में उद्योगों का अत्यधिक विकास हुआ है।

(2) इन प्रदेशों की भूमि उपजाऊ है।

उत्तर—4. भारत में लिंगानुपात पुडुचेरी और केरल में सबसे अधिक है। यहाँ का आंकड़ा 1084 महिलाओं की संख्या से 1000 पुरुषों को दर्शाता है। तथा हरियाणा में सबसे कम लिंगानुपात है। यहाँ आंकड़ा 1000 पुरुषों पर 877 महिलाओं को दर्शाता है।

उत्तर—5. अरुणाचल प्रदेश में जनसंख्या का घनत्व कम है। क्योंकि यहाँ कृषि तथा उद्योग भी विकसित नहीं हैं।

उत्तर—6. (1) यहाँ न्यूनतम वर्षा के कारण।

(2) मिट्टी अनुपजाऊ होने के कारण।

उत्तर—7. भारत के सबसे अधिक जनघनत्व राज्य, बिहार तथा अरुणाचल प्रदेश सबसे कम घनत्व है। सन् 2011 की जनगणना के अनुसार उनका जनघनत्व बिहार की आबादी का अनुपात 8·60% तथा अरुणाचल प्रदेश का आबादी का अनुपात = 0·11% है।

उत्तर—8. भारत की जनसंख्या का सबसे महत्वपूर्ण लक्षण इसकी किशोर जनसंख्या का आकार है। यह भारत की कुल जनसंख्या का पाँचवा भाग है। किशोर प्राय: 10 से 19 वर्ष की आयु वर्ग के होते हैं। ये भविष्य के सबसे महत्वपूर्ण मानव संसाधन हैं।

उत्तर—9. किसी देश में प्रति वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में रहने वाले व्यक्तियों की संख्या को 'जनसंख्या का घनत्व' कहते हैं।

उत्तर—10. पहले की जनसंख्या (2011 की) के बाद की जनसंख्या (सन् 2011) में से बढ़ाकर जो लोगों की संख्या आती है उसे साक्षेप वृद्धि कहते हैं। तथा पहले की जनसंख्या (2011 की) के बाद की जनसंख्या (सन् 2011) में से घटाकर लोगों की जो संख्या आती है उसे निरपेक्ष वृद्धि कहते हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. साक्षरता का अर्थ है साक्षर होना अर्थात् पढ़ने और लिखने की क्षमता से सम्पन्न होना। भारत में साक्षरता प्रतिरूप सन् 2011 में भारत में साक्षरता दर 74·04% रही। भारत की औसत साक्षरता दर में सन् 1961 के बाद से तीव्र वृद्धि अनुभव की गई है लेकिन भारत की साक्षरता दर में क्षेत्रीय स्तर पर असमान वृद्धि हुई है। वर्तमान में (2011) में साक्षरता दरों में मिलने वाली भिन्नताओं के आधार पर भारत के राज्यों को निम्नलिखित वर्गों में रखा जा सकता है—

(1) **80% से अधिक साक्षरता दर रखने वाले राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश**—सन् 2011 में 80% से अधिक साक्षरता दर रखने वाले राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों में साक्षरता दरें निम्नवत् रहीं—केरल (93.41), लक्षद्वीप (92.28), त्रिपुरा (87.75), गोवा (87.40), दमन व द्वीव (87.07), पाण्डिचेरी (86.55), चण्डीगढ़ (86.43), छत्तीसगढ़ (86.40), दिल्ली (86.34), अण्डमान-निकोबार (86.34), हिमाचल प्रदेश (83.78), महाराष्ट्र (82.91), सिक्किम (82.28), तमिलनाडु (80.33), नागालैण्ड (80.11),

70 से 80 प्रतिशत साक्षरता दर रखने वाले राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश—मणिपुर (79.85), उत्तराखण्ड (79.63), गुजरात (79.31), दादरा-नगर हवेली (77.65), पंश्चिम बंगाल (77.08), पंजाब (76.68), हरियाणा (76.64), कनार्टक (75.60), मेघालय (75.48), उड़ीसा (73.45), असम (73.18), मध्यप्रदेश (70.63),

70 प्रतिशत से कम साक्षरता दर रखने वाले राज्य—उत्तर प्रदेश (69.72), जम्मू कश्मीर (68.73), आन्ध्र प्रदेश (67.70), झारखण्ड (67.73), राजस्थान (37.06), अरुणाचल प्रदेश (67), बिहार (63.82) है।

उत्तर—2. पृ.सं. 185 पर प्र.न. 3 का उत्तर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 186 पर प्र.न. 4 का उत्तर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 186 पर प्र.न. 6 का उत्तर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 186 पर प्र.न. 2 का 11 का उत्तर देखिए।

उत्तर—6. इसका प्रमुख कारण शिक्षा के प्रति सरकार की नीति है। यहाँ के लोग पढ़े लिखे और साक्षर हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 185 पर प्र.न. 4 का उत्तर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 186 पर प्र.न. 5 का उत्तर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 186 पर प्र.नं. 6 का उत्तर देखिए।

उत्तर—4. भारत में जनसंख्या की तीव्र वृद्धि के कारण बेरोजगारी पर्यावरण का अवनयन, आवासों की कमी, निम्न जीवन स्तर जैसी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले लोगों की संख्या काफी अधिक है। यह गरीबी और अभाव, अपराध चोरी, भ्रष्टाचार, काला बाजारी व तस्करी जैसे समस्याओं का जन्म देती है। पर्यावरण की दृष्टि से भी जनसंख्या वृद्धि हानिकारक है।

इकाई-3 : लोकतान्त्रिक राजनीति-1 (नागरिकशास्त्र)

1 लोकतन्त्र क्या? लोकतन्त्र क्यों [What is Democracy? Why Democracy?]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. लोकतन्त्र ग्रीक भाषा के दो शब्दों 'डेमोस' और केशिया' से मिलकर बना है जिसका अर्थ है लोगों का शासन।

उत्तर—2. लोकतन्त्र के तीन प्रकार हैं—अभिजात्य, सहभागी और बहुलवादी।

उत्तर—3. ऐसी सरकार या शासक जिसका चुनाव जनता (मतदाता) द्वारा नहीं किया गया होता।

उत्तर—4. (1) लोकतन्त्र में जनता का शासन माना जाता है।

(2) लोकतन्त्र में अन्तिम निर्णय लेने की शक्ति लोगों द्वारा चुने गए लोगों में निहित होती है।

उत्तर—5. डेमोक्रेसी शब्द की उत्पत्ति ग्रीक भाषा के शब्द से हुई है।

उत्तर—6. तानाशाही उस शासन-प्रणाली को कहते हैं जिसमें कोई व्यक्ति (प्राय: सेनाधिकरी) विद्यमान नियमों की अनदेखी करते हुए डेडे (डण्डे) के बल पर शासन करता है।

उत्तर—7. एक लोकतान्त्रिक सरकार संवैधानिक कानूनों एवं नागरिक अधिकारों के दायरे में रहते हुए शासन करती है। इसमें कानून का शासन होता है। जिससे सरकार संवैधानिक कानूनों एवं नागरिक अधिकारों के दायरे में रहते हुए शासन करती है।

उत्तर—8. सभी वयस्क नागरिकों को बिना किसी भेदभाव और स्वतन्त्र रूप से मत का अधिकार है।

उत्तर—9. आज के विश्व में लोकतन्त्र का सबसे आम स्वरूप लोगों द्वारा अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से शासन चलाने का है।

उत्तर—10. लोकतन्त्र अन्य सभी शासन प्रणालियों से उत्तम है, क्योंकि यह नागरिकों में समानता को बढ़ावा देता है, व्यक्ति की गरिमा को बढ़ावा देता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. राजनीतिक समानता पर आधारित होने के कारण लोकतन्त्र यह स्वीकार करता है कि सबसे निर्धन एवं सबसे कम पढ़े लिखे लोगों की समाज में वही स्थिति है जो अमीर व शिक्षित लोगों की है। लोकतन्त्र में लोग शासक की प्रजा नहीं बल्कि स्वयं शासक हैं।

उत्तर—2. ऐसा कोई शासन तन्त्र नहीं जिसमें शासन तन्त्र से कोई गलती न हो चाहे वह लोकतन्त्र ही क्यों न हो। लेकिन लोकतन्त्र में गलतियों पर विचार-विमर्श करने और उसे सुधारने की संभावना अन्तर्निहित होती है। इसका आशय यह है कि या तो शासक समूह अपना निर्णय बदले या फिर शासक समूह को बदला जा सकता है।

उत्तर—3. पृ.सं. 191-192 पर देखिए।

उत्तर—4. प्रत्यक्ष लोकतन्त्र में आमतौर पर कानूनों और नीतियों पर मतदान करके लोग सीधे तौर पर निर्णय में भाग लेते हैं। तथा अप्रत्यक्ष लोकतन्त्र में जनता अपनी ओर से निर्णय लेने के लिए प्रतिनिधियों का चुनाव करती है।

उत्तर—5. अति लघुउत्तरीय प्र. नं. 9 का उत्तर देखिए।

उत्तर—6. लोकतन्त्र में सरकार द्वारा की गई त्रुटियों पर जनता द्वारा बहस किया जा सकता है तथा इसे सुधारा जा सकता है। या शासकों को अपने निर्णय बदलने पड़ते हैं अन्यथा शासकों को बदल दिया जाता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 189 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 189 पर तथा पृ.सं. 191 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 191 पर तथा 195 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 189 पर देखिए।

2 संविधान निर्माण [Constitutional Design]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. संविधान शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है सम और विधान, सम का अर्थ है समान और विधान का अर्थ है नियम और कानून, यानी जो नियम और कानून सभी नागरिकों पर एक समान रूप से लागू होते हैं, उसे संविधान कहते हैं।

उत्तर—2. संविधान सभा का आशय किसी देश के लिए संविधान का निर्माण करने वाली सभा से लिया जाता है।

उत्तर—3. भारतीय संविधान का निर्माण 299 सदस्यों द्वारा किया गया, यह 20 जनवरी, 1950 को लागू हुआ।

उत्तर—4. संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद तथा 299 सदस्य थे।

उत्तर—5. नेल्सन मंडेला एक अश्वेत राष्ट्रवादी और दक्षिण अफ्रीका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति थे।

उत्तर—6. मानव जाति की त्वचा के रंग के आधार पर श्वेत लोगों द्वारा काले लोगों के प्रति अलगाववाद की नीति अपनाना 'रंगभेद' कहलाता है।

उत्तर—7. अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस दक्षिण अफ्रीका की शासन करने वाली पार्टी है इसके नेता—नेल्सन मंडेला, यासिर अराफात, कोफी अन्नान, सिम्मी मंडेला हैं।

उत्तर—8. क्योंकि देश में पहली बार स्वतन्त्रता दिवस 26 जनवरी, 1930 को मनाया गया था।

उत्तर—9. दक्षिण अफ्रीका में पृथक्करण का अर्थ था अपार्थीड (अफ्रीकी भाषा का शाब्दिक अर्थ) इसे हिन्दी में रंगभेद कहते हैं।

उत्तर—10. रंगभेद नीति का हथकंडा अपनाया।

उत्तर—11. भारतीय संविधान के निर्माण में 2 वर्ष 11 माह 18 दिन का समय लगा। वर्तमान संविधान में 395 मुख्य अनुच्छेद तथा 12 अनुसूचियाँ हैं।

उत्तर—12. भारतीय संविधान में आधारभूत मूल्य या दर्शन भारत को प्रभुत्व-सम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक, सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक न्याय, स्वतन्त्रता, समानता, व्यक्ति का गरिमा, राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बन्धुता को बढ़ावा दिया गया है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 208 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 207 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 208-209 पर देखिए।

उत्तर—4. भारतीय संविधान के आधारभूत ढाँचे को स्पष्ट नहीं किया जा सकता परन्तु सर्वोच्च न्यायालय द्वारा केशवानन्द भारती मुकदमे का निर्णय सुनाते हुए यह कहा था कि संविधान की प्रत्येक धारा में संशोधन किया जा सकता है। यद्यपि संविधान के मूल ढाँचे में कोई परिवर्तन नहीं होना चाहिए। संविधान के मूल ढाँचे में निम्नलिखित बातों को सम्मिलित किया जा सकता है—

(1) विधानमण्डल, कार्यपालिका तथा न्यायपालिका के बीच शक्तियों का पृथक्करण।

(2) संविधान का संघीय स्वरूप।

(3) संविधान की सर्वोच्चता।

(4) सरकार का गणतन्त्रात्मक और लोकतन्त्रीय स्वरूप।

(5) संविधान का धर्म-निरपेक्ष स्वरूप।

उत्तर—5. भारत का संविधान एक विस्तृत दस्तावेज है इसे वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिक बनाए रखने के लिए इनमें अनेक बार संशोधन करने पड़ते हैं। भारत के संविधान निर्माताओं ने अनुभव किया कि इसे लोगों की आकांक्षाओं एवं समाज के बदलाव के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने इसे एक पवित्र स्थाई एवं अपरिवर्तनीय कानून की नजर से नहीं देखा। इसलिए उन्होंने समय-समय पर इसमें बदलाव समाहित करने के लिए प्रावधान किया इस बदलाव को संविधान संशोधन कहा जाता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 212 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 211 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 204-205 पर देखिए।

उत्तर—4. भारत के संविधान की प्रस्तावना को संविधान की आत्मा कहा जाता है। भारत में संघीय शासन व्यवस्था लागू है। किन्तु संविधान में भी संघात्मक (फेडरेशन) शब्द का प्रयोग नहीं किया गया है। पायली के अनुसार भारत का ढाँचा संघात्मक किन्तु उसकी आत्मा एकात्मक है।

3 चुनावी राजनीति [Electoral Politics]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. जहाँ मतदाता अपना वोट डालता है, वह मतदान केन्द्र होता है।

उत्तर—2. जब नामांकन पत्र वापिस लेने की तारीख समाप्त हो जाती है तो इसके पश्चात् सभी उम्मीदवारों को कम से कम 20 दिन चुनाव प्रचार के लिए दिए जाते हैं। इस चुनाव प्रचार को ही चुनाव अभियान कहते हैं।

उत्तर—3. मतदाता का अर्थ है मत देने वाला अर्थात् वोट डालने वाला। मताधिकार शब्द का आशय है राय या मत प्रकट करना। नागरिकशास्त्र के अन्तर्गत मताधिकार का अपना विशिष्ट अर्थ है इसके अनुसार देश के नागरिकों को शासन संचालन हेतु अपने उम्मीदवारों को चुनने का जो अधिकार प्राप्त होता है, उसे ही 'मताधिकार' कहते हैं।

उत्तर—4. चुनाव एक औपचारिक प्रक्रिया है, जहाँ लोग किसी उम्मी. दवार को चुनने या किसी विशेष मुद्दे या निर्णय लेने के लिए वोट देते हैं।

उत्तर—5. सभी चुनाव क्षेत्रों में एक ही दिन अथवा एक छोटे अन्तराल में अलग-अलग दिन चुनाव होते हैं, इसे आम चुनाव कहते हैं।

उत्तर—6. निर्वाचन प्रक्रिया मतदान प्रणाली पर ही आधारित है।

उत्तर—7. लोकतान्त्रिक निर्वाचन व्यवस्था में निर्वाचन से पहले मतदान की योग्यता रखने वालों की सूची तैयार की जाती है। इस सूची को अधि. कारिक रूप से मतदाता सूची कहते हैं।

उत्तर—8. जनता तक अपनी पहचान, अपना भरोसा हासिल करने के लिए आवश्यक है।

उत्तर—9. लोकसभा के निर्वाचन क्षेत्र का अर्थ प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से एक ही सदस्य का चुनाव किया जाता है। वर्तमान में लोकसभा के 543 निर्वाचित क्षेत्र हैं।

उत्तर—10. चुनाव अभियान मतदान से (वोट डालने से) 48 घंटे पूर्व तक चलाया जा सकता है।

उत्तर—11. सभी वयस्कों को मत देने की अनुमति है।

उत्तर—12. भारत में निर्वाचन प्रक्रिया की व्यवस्था-स्वायत्त संवैधानिक प्राधिकरण के अन्तर्गत की गई है।

उत्तर—13. स्वतन्त्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए चुनाव आयोग ने कुछ नियम बनाए हैं, इन नियमों को ही चुनाव आचार संहिता कहा जाता है।

उत्तर—14. चुनाव में यदि कोई उम्मीदवार चुनाव के नियमों का उल्लंघन करता है या भ्रष्ट तरीकों का इस्तेमाल करता है तब सम्बन्धित व्यक्ति द्वारा उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय में दी गई याचिका को चुनाव याचिका कहते हैं।

उत्तर—15. वोटर कार्ड की चुनाव फोटो पहचान-पत्र प्रणाली है।

उत्तर—16. (1) चुनाव प्रचार के लिए किसी धर्मस्थल का उपयोग नहीं कर सकते हैं।

(2) चुनाव में सरकारी वाहन, विमान तथा अधिकारियों का उपयोग नहीं कर सकते।

उत्तर—17. ईवीएम एक इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन है। इसके द्वारा मतदान बटन दबाकर किये जा सकते हैं।

उत्तर—18. मतदाता दुबारा वोट न दे सके।

उत्तर—19. (अ) मध्यावधि चुनाव उस चुनाव को कहते हैं जो चुनाव विधानमंडल के निश्चित कार्यकाल की समाप्ति के पूर्व कराए जाते हैं।

(ब) जब कोई सरकार भंग हो जाती है उस समय जो चुनाव होते हैं, उसे उपचुनाव कहते हैं।

उत्तर—20. सरकार की द्वि-दलीय संसदीय प्रणाली में एक त्रिशंकु संसद तब बनती है जब किसी भी प्रमुख राजनीतिक दल या सहयोगी पार्टियों के समूह को सीटों की संख्या के अनुसार संसद (लोकसभा) में पूर्ण बहुमत प्राप्त नहीं होता है। इसे कभी-कभार असन्तुलित लोकसभा या बिना किसी नियन्त्रण वाली विधायिका भी कहा जाता है।

उत्तर—21. हाँ कर सकता है।

उत्तर—22. चुनाव-चिह्न का अर्थ किसी राजनीतिक दल को आबंटित एक मानकीकृत प्रतीक है।

उत्तर—23. हरियाणा में।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 222 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 225 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 222 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 222-224 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 222-224 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 218 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 218-219 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 219-220 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 221-222 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 230 पर देखिए।

4 संस्थाओं का कामकाज [Working of Institutions]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. भारत का प्रथम नागरिक राष्ट्रपति होता है।

उत्तर—2. संस्थाओं का ऐसा समूह जिसके पास देश की व्यवस्थित जनजीवन सुनिश्चित करने के लिए कानून बनाने, लागू करने और उसकी व्याख्या करने का अधिकार होता है।

उत्तर—3. न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका है।

उत्तर—4. संसद का अधिवेशन राष्ट्रपति बुला सकता है।

उत्तर—5. (1) राष्ट्रपति, (2) लोकसभा, (3) राज्यसभा।

उत्तर—6. (अ) लोकसभा के अध्यक्ष को स्पीकर कहते हैं।

(ब) लोकसभा के अध्यक्ष का चुनाव लोकसभा के सदस्यगण करते हैं।

उत्तर—7. भारतीय संसद के दो सदन लोकसभा तथा राज्य-सभा है। लोकसभा को निम्न सदन तथा राज्य सभा को ऊपरी सदन कहते हैं।

उत्तर—8. (अ) भारत में लोकतान्त्रिक गणराज्य प्रणाली को अपनाया गया है।

(ब) भारत की केन्द्रीय कार्यपालिका में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति को सहायता करने एवं सलाह देने के लिए अध्यक्ष के रूप में प्रधानमंत्री के साथ मन्त्रिपरिषद शामिल है।

उत्तर—9. एक ऐसी शासन प्रणाली है, जिसके अन्तर्गत जनता अपनी स्वेच्छा से निर्वाचन में आए हुए किसी भी उम्मीदवार को मत देकर अपना प्रतिनिधि चुन सकती है।

उत्तर—10. 65 वर्ष की आयु में।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 262 पर देखिए।

उत्तर—2. मन्त्रिपरिषद एक बड़ा निकाय है जिसमें विभिन्न श्रेणियों के कई मन्त्री शामिल होते हैं। मन्त्रिमंडल, मन्त्रिपरिषद के भीतर एक छोटा आन्तरिक निकाय है और यह मन्त्रिपरिषद का प्रभावी नीति-निर्माण अंग है।

उत्तर—3. पृ.सं. 243 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 240 पर देखिए।

उत्तर—5. मंडल आयोग, जिसे आधिकारिक तौर पर द्वितीय पिछड़ा वर्ग आयोग के रूप में जाना जाता है। इसका उद्देश्य सामाजिक और शैक्षिणिक रूप से पिछड़े वर्गों की पहचान करना और उन्हें सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में शामिल करने के लिए सिफारिश करना था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 240 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 243 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 243-244 पर देखिए।

उत्तर—4. विधेयक किसी विधायी प्रस्ताव का प्रारूप होता है। जिन विधेयकों में विशेष रूप से करों के अधिरोपण तथा उत्सादन, संचित निधि में से धन के विनियोग आदि से सम्बन्धित प्रावधान होते हैं, उन्हें धन विधेयक कहा जाता है। धन विधेयक के सम्बन्ध में राज्यसभा की किसी सिफारिश अथवा सभी सिफारिशों को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करना लोकसभा पर निर्भर करता है यदि लोकसभा, राज्य सभा की किसी सिफारिश को स्वीकृत करती है तो धन विधेयक, राज्य सभा द्वारा सिफारिश किये गये संशोधनों और लोकसभा द्वारा स्वीकृत रूप में संसद को दोनों सभाओं द्वारा पारित समझा जाता है।

5 लोकतान्त्रिक अधिकार [Democratic Rights]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. मानवाधिकार वे नैतिक सिद्धान्त हैं जो मानव व्यवहार से सम्बन्धित कुछ निश्चित मानक स्थापित करते हैं। मानवाधिकार दिवस 10 दिसम्बर को मनाया जाता है।

उत्तर—2. लोकतन्त्र में नागरिकों को उनके सर्वांगीण विकास के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण सुविधाएँ और स्वतन्त्रताएँ प्रदान की जाती हैं। इन्हीं सुविधाओं एवं स्वतन्त्रताओं को 'मूल या मौलिक' अधिकार कहा जाता है।

उत्तर—3. अधिकार का अभिप्राय राज्य द्वारा व्यक्ति को दी गयी कुछ कार्य करने की स्वतन्त्रता या सकारात्मक सुविधा प्रदान करना है जिससे व्यक्ति अपनी शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक शक्तियों का पूर्ण विकास कर सके।

अधिकार की परिभाषा भारतीय विद्वान श्रीनिवास शास्त्री के अनुसार—"अधिकार समुदाय के कानून द्वारा स्वीकृत वह व्यवस्था, नियम या रीति है जो नागरिक के सर्वोच्च नैतिक कल्याण में सहायक है।"

उत्तर—4. जनहित याचिका (पी आई एल) का अर्थ है सार्वजनिक हित की रक्षा, सुरक्षा या लागू करने के लिए अदालत के समक्ष दायर किया गया मामला या याचिका।

उत्तर—5. वह व्यक्ति जो लिए हुए ऋण को चुकाने के बदले ऋणदाता के लिए श्रम करता है या सेवाएँ देता है, उसे बंधुआ मजदूरी कहते हैं।

उत्तर—6. चार राजनैतिक अधिकार हैं—(1) समानता का अधिकार, (2) स्वतन्त्रता का अधिकार, (3) शोषण के विरुद्ध अधिकार, (4) धार्मिक स्वतन्त्रता का अधिकार।

उत्तर—7. नियमों व सिद्धान्तों को बनाए रखने का व्यक्ति, समूह या देशों का वायदा प्रतिज्ञा-पत्र कहलाता है। ऐसे बयान या सन्धि पर हस्ताक्षर करने वाले पर इसके पालन की वैधानिक बाध्यता होती है।

उत्तर—8. एमनेस्टी इंटर नेशनल (जिसे एमनेस्टी या ए.आई. भी कहा जाता है।) मानवाधिकारों पर केन्द्रित एक अन्तर्राष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन है।

उत्तर—9. कानूनी अधिकार वे हित हैं जिन्हें कानून द्वारा मान्यता तथा संरक्षण प्राप्त होता है।

उत्तर—10. भारतीय संविधान में छह मौलिक अधिकार प्रदान किए गये हैं। मौलिक अधिकारों का वर्णन संविधान के भाग 111 अनुच्छेद 12-35 तक में किया गया है।

उत्तर—11. कोई भी व्यक्ति अपनी पसन्द के धर्म को मानने के लिए स्वतन्त्र होता है।

उत्तर—12. मूल अधिकार निम्न दशाओं में स्थगित किए जा सकते हैं जब—

(1) प्रतिरक्षा सेना से व्यक्तियों के बारे में।

(2) जब मार्शल लॉ लागू हो।

(3) आपात उद्घोषणा के समय।

(4) संविधान संशोधन द्वारा।

उत्तर—13. परमादेश तथा प्रतिषेध संवैधानिक उपचारों के अधिकार के अन्तर्गत जारी किये जाने वाले लेख हैं।

उत्तर—14. समानता का अधिकार, स्वतन्त्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धर्म, संस्कृति तथा शिक्षा की स्वतन्त्रता का अधिकार, सम्पत्ति का अधिकार तथा संवैधानिक उपचारों का अधिकार।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 252 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 252 पर देखिए।

उत्तर—3. (1) भारत में निजी सम्पत्ति के बढ़ते प्रभाव को कम करने के लिए सम्पत्ति के अधिकार को मूल अधिकारों में से निकाल दिया गया है।

(2) 42वें संशोधन द्वारा प्रस्तावना में समाजवाद शब्द रखा गया है समाजवाद और सम्पत्ति के अधिकार एक साथ नहीं चलते। अत: सम्पत्ति के अधिकार को मूल अधिकारों से निकाल दिया गया है।

उत्तर—4. पृ.सं. 253 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 253 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 256 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 254-255 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 258 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 258 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 258 पर देखिए।

इकाई-4 : अर्थव्यवस्था (अर्थशास्त्र)

1 पालमपुर गाँव की कहानी
[The Story of Village Palampur]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पालमपुर में छोटे-छोटे जनरल स्टोरों में चावल, गेहूँ, चाय, तेल, बिस्कुट, साबुन, टूथपेस्ट, पेस्ट्री, मोम बत्तियाँ, कॉपियाँ, पेन, पेन्सिल की दुकानें थीं।

उत्तर—2. शाहपुर कस्बे की ओर जाते थे।

उत्तर—3. पालमपुर के लोग प्रमुखत: कृषि कार्य करते थे।

उत्तर—4. पालमपुर में करीम कम्प्यूटर कक्षा का परिचालक है।

उत्तर—5. पालमपुर भारत के हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में स्थित है। पालमपुर के निकटतम बड़े गाँव का नाम रायगंज तथा छोटे कस्बे का नाम शाहपुर है।

उत्तर—6. बेलगाड़ी, तांगा, बुग्गी, जीप, ट्रैक्टर, ट्रक तथा मोटर साइकिल।

उत्तर—7. पालमपुर में दो प्राथमिक विद्यालय और एक हाईस्कूल है। गाँव में एक राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और एक निजी औषद्यालय भी है।

उत्तर—8. पालमपुर गाँव में 450 परिवार हैं जो विभिन्न वर्गों एवं जातियों से सम्बन्धित हैं। 80 परिवार उच्च जातियों से सम्बन्धित हैं अनुसूचित जनजाति एवं दलित का कुल जनसंख्या का हिस्सा 1/3 है।

उत्तर—9. पंजाब राज्य में।

उत्तर—10. कुछ किसानों को रुपये की आवश्यकता अपनी आधारभूत आवश्यकताओं जैसे—खाना, कपड़ा और मकान के लिए होती है। अन्य आवश्यकता कृषि आगती जैसे—बीज, पानी, पशुओं और कृषि उपकरणों जैसे ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, थ्रेशर आदि के लिए होती है। बहुत से कम उद्यमी किसानों को रुपये की आवश्यकता निवेश जैसे—व्यवसाय का प्रारम्भ, परिवहन का क्रय, उपकरण, जीप, टैम्पो, ट्रक और नलकूपों की स्थापना आदि के लिए होती है।

उत्तर—11. हाँ, हम सहमत हैं कि पालमपुर गाँव में भूमि का वितरण असमान है क्योंकि अधिक संख्या में छोटे किसानों के पास दो एकड़ से भी कम भूमि है बड़े एवं मझले किसानों के पास दो एकड़ से अधिक भूमि है। कुछ किसान तो अब भी भूमिहीन हैं।

उत्तर—12. गाँव के भूमिहीन लोग और अपर्याप्त भूमि वाले किसान बड़े और मध्यम किसानों को श्रम प्रदान करते हैं।

उत्तर—13. कच्चा माल और नकद पैसों को कार्यशील पूँजी कहते हैं।

उत्तर—14. स्थाई पूँजी से तात्पर्य उस पूँजी से है, जो स्थायी सम्पत्तियों का क्रय करने में लगाई जाती है।

उत्तर—15. उत्पादन में साधन या समाधान भूमि, श्रम, पूँजी तथा उद्यमशीलता है।

उत्तर—16. उत्पादन का उद्देश्य ऐसी वस्तुएँ एवं सेवाएँ उत्पादित करना जिनकी हमें आवश्यकता होती है।

उत्तर—17. उपभोग एक क्रिया है जिसके द्वारा अपनी प्रत्यक्ष सन्तुष्टि के लिए वस्तुओं और सेवाओं का उपयोग किया जाता है और इसकी उपयोगिता मूल्य को उपभोक्ता द्वारा चुकाया जाता है।

उत्तर—18. भारत में उत्पाद का सर्वाधिक प्रचुर मात्रा में उपलब्ध कारक श्रम है।

उत्तर—19. कुएँ नलकूप, तालाब, झील, जलाशय सिंचाई के साधन हैं। आज भी भारत के कुल कृषि-क्षेत्र के 65% भाग में सिंचाई होती है।

उत्तर—20. भारत के 66% प्रतिशत लोग गैर-कृषि कार्यों में संलग्न हैं।

उत्तर—21. (अ) पंजाब में किया जाता है।

(ब) बीज के सन्दर्भ में एच. वाई. वी. का विस्तृत रूप हाई यील्डिंग वैरायटी है।

उत्तर—22. (अ) पंजाब तथा हरियाणा में।

(ब) पंजाब तथा हरियाणा को।

उत्तर—23. किसानों को आधुनिक कृषि विधियों को अपनाने के लिए क्रियाशील पूँजी की आवश्यकता होती है।

उत्तर—24. किसान स्थिर और विश्वसनीय खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए फसल की पैदावार में वृद्धि की उम्मीद कर सकते हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 266 पर देखिए।

उत्तर—2. स्थाई पूँजी में सम्पत्ति या उपकरण जैसे व्यवसाय शुरू करने और बनाए रखने के लिए आवश्यक सम्पत्ति या निवेश शामिल है। कार्यशील पूँजी वह नकद या अन्य तरल सम्पत्ति है जिसका उपयोग व्यवसाय के दैनिक खर्चों को कबर करने के लिए किया जाता है जैसे बिलों का भुगतान।

उत्तर—3. उत्पादन के कारक एक आर्थिक शब्द है जो आर्थिक लाभ कमाने के लिए वस्तुओं या सेवाओं के उत्पादन में उपयोग किए जाने वाले इनपुट का वर्णन करता है। इनमें किसी वस्तु या सेवा के निर्माण के लिए आवश्यक कोई भी संसाधन शामिल है। उत्पादन के कारक भूमि, श्रम, पूँजी और उद्यमिता है।

उत्तर—4. हरित क्रान्ति वर्तमान उपकरणों और प्रक्रियाओं को शामिल करके कृषि ग्रामीण निर्माण से जुड़ी विधि है। हरित क्रान्ति की विशेषताएँ हैं—

(1) भारतीय कृषि में उच्च उपज देने वाली किस्म के बीज प्रस्तुत किए।

(2) उच्च उपज देने वाली किस्म के बीज समृद्ध सिंचाई प्रणाली कार्यालयों वाले जिलों में शक्तिशाली थे और गेहूँ की फसल के साथ अधिक फलदायी थे।

उत्तर—5. भौतिक पूँजी का अर्थ किसी व्यवसाय को प्रारम्भ करने में लगी सम्पत्ति से है उदाहरण के लिए ऑफिस, कम्प्यूटर, मशीनरी आदि जो व्यवसाय को प्रारम्भ करने लिए आवश्यक है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 266 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 268 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 273 पर देखिए।

2 संसाधन के रूप में लोग [People as Resource]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. (1) किसी देश, शहर या जिले या क्षेत्र में रहने वाले लोगों की कुल संख्या।

(2) जब शिक्षा, प्रशिक्षण और चिकित्सा सेवाओं में निवेश किया जाता है तो वही जनसंख्या मानव पूँजी में बदल जाती है।

उत्तर—2. आर्थिक क्रिया से तात्पर्य उस क्रिया से है, जिसमें मनुष्य अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अर्थ के माध्यम से व्यवहार करता है।

उत्तर—3. जब किसी काम के बदले में कोई मेहनताना नहीं मिलता है और उसका कोई उद्देश्य भी नहीं रहता है तो उसे गैर आर्थिक क्रिया कहते हैं।

उत्तर—4. चार गैर-आर्थिक क्रियाएँ हैं—

(1) पुरानी वस्तुओं को खरीदना-बेचना।

(2) सरकार द्वारा ऋणपत्र आदि को खरीदना-बेचना।

(3) शेयर ऋणपत्रों को खरीदना-बेचना।

(4) गैर-कानूनी क्रियाएँ।

उत्तर—5. रोजगार से आशय किसी अनुबन्ध के अन्तर्गत दूसरे व्यक्तियों के लिए कार्य करना और उसके बदल पारितोषिक प्राप्त करना है।

उत्तर—6. मानव पूँजी निर्माण ऐसे लोग को प्राप्त करने तथा उनकी जनसंख्या को बढ़ाने की प्रक्रिया है, जिनके पास कुशलताएँ, शिक्षा और अनुभव होता है जो देश के आर्थिक विकास और राजनैतिक विकास के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।

उत्तर—7. जनसंख्या की गुणवत्ता साक्षरता-दर, जीवन-प्रत्याशा से निरूपित व्यक्तियों के स्वास्थ्य और देश के लोगों द्वारा प्राप्त कौशल निर्माण पर निर्भर करती है।

उत्तर—8. बढ़ती जनसंख्या देश पर दायित्व तथा अर्थव्यवस्था परिसम्पत्ति होती है।

उत्तर—9. एक व्यक्ति या संस्था से दूसरे व्यक्ति या संस्था को सामानों का स्वामित्व अन्तरण ही व्यापार कहलाता है। व्यवसाय की विशेषताएँ हैं—(1) जोखिम, (2) साहस का तत्व, (3) लाभ-प्रयोजन, (4) सेवाभाव, (5) विनिमय का तत्व, (6) उपयोगिता का सृजन।

उत्तर—10. बाजार वस्तुओं और अन्य सेवाओं के लिए कीमतें स्थापित करता है। ये दरें आपूर्ति और योग से निर्धारित होती हैं। विक्रेता आपूर्ति पैदा करता है, जबकि खरीददार माँग पैदा करते हैं। जब आपूर्ति और माँग सन्तुलन में होती है तो बाजार कीमत में कुछ सन्तुलन खोजने की कोशिश करते हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. भौतिक पूँजी की प्रकृति मूर्त है अर्थात् इसे देखा और छुआ जा सकता है। जबकि मानव पूँजी अमूर्त है अर्थात् इसे महसूस एवं देखा नहीं जा सकता है।

उत्तर—2. पृ.सं. 288 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 288-289 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 291 पर प्र.नं. 1 का उत्तर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 292 पर प्र.नं. 10 का उत्तर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 284-285 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 281 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 283-284 पर देखिए।

3 निर्धनता एक चुनौती [Poverty : As a Challenge]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. 'गरीबी' या 'निर्धनता' का अभिप्राय जीवन, स्वास्थ्य तथा कार्यकुशलता के लिए न्यूनतम उपभोग-वस्तुओं व सेवाओं की प्राप्ति की अयोग्यता की स्थिति से है।

उत्तर—2. जब देश की जनसंख्या का बड़ा भाग भोजन, वस्त्र, मकान, शिक्षा तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी न्यूनतम आवश्यकताओं को सन्तुष्ट नहीं कर पाता तो ऐसी अवस्था को 'सामूहिक निर्धनता' कहते हैं।

उत्तर—3. मिलों में काम करने वाले मजदूर तथा घरों में काम करने वाली महिलाएँ।

उत्तर—4. भारत में निर्धनता 21% प्रतिशत तथा चीन में 21.2 करोड़ है।

उत्तर—5. सामाजिक अपवर्जन तथा निरक्षरता स्तर।

उत्तर—6. निर्धनता निरोधी कार्यक्रम के कम प्रभावी होने का मुख्य कारण उचित कार्यान्वयन और सही लक्ष्य निश्चित करना है।

उत्तर—7. पाँच राज्य जहाँ निर्धनता कम है—केरल, गोवा, सिक्किम तमिलनाडु, पंजाब। तथा पाँच राज्य जहाँ निर्धनता सबसे अधिक है—मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, ओडिशा।

उत्तर—8. अशिक्षा और जनसंख्या वृद्धि।

उत्तर—9. अगर किसी व्यक्ति की आय राष्ट्रीय औसत आय के 60 फीसदी से कम है, तो उस व्यक्ति को गरीबी रेखा के नीचे जीवन बिताने वाला माना जा सकता है।

उत्तर—10. भारत सरकार मानती है कि गाँव में रहने वाला व्यक्ति हर दिन 26 रुपये और शहर में रहने वाला व्यक्ति 32 रुपये खर्च करने में असमर्थ है तो वो व्यक्ति गरीबी रेखा से नीचे माना जायेगा।

उत्तर—11. भारत में निर्धनता सम्बन्धी चुनौतियाँ हैं—गरीबी, बेरोजगारी और शिक्षा की कमी।

उत्तर—12. नाइजीरिया, बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान तथा चीन।

उत्तर—13. जम्मू-कश्मीर, गोवा, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश।

उत्तर—14. बिहार, झारखण्ड, मेघालय, असम, छत्तीसगढ़।

उत्तर—15. निर्धनता—रेखा का निर्धारण योजना आयोग (अब नीति आयोग) करता है। निर्धनता को मापने में कैलोरी उपभोग के द्वारा किया जाता है।

उत्तर—16. विश्व बैंक का कहना है कि अब हर रोज 2.15 डॉलर या इससे कम आमदनी अर्जित करने वाले व्यक्ति अत्यन्त गरीब माने जाएँगे।

उत्तर—17. (1) आर्थिक संवृद्धि को प्रोत्साहन।

(2) लक्षित निर्धनता विरोधी कार्यक्रम।

उत्तर—18. (अ) भारत में स्वीकृत आवश्यक कैलोरी ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यक प्रति दिन प्रति व्यक्ति स्वीकृत औसत कैलोरी 2400 है तथा शहरी क्षेत्रों में आवश्यक प्रति दिन प्रति व्यक्ति स्वीकृत औसत कैलोरी 2100 है।

(ब) क्योंकि ग्रामीण लोगों द्वारा शारीरिक कार्य अधिक किया जाता है।

उत्तर—19. यदि व्यक्ति को 15 दिन में सरकार रोजगार नहीं दिला सकती है वह बेरोजगारी भत्ता लेने का हकदार हो जाता है। वह 25% मजदूरी के लेकर 100 दिन के रोजगार के बराबर मजदूरी तक का भत्ता ले सकता है।

उत्तर—20. मनरेगा का पूरा नाम महात्मा गाँधी ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम है।

उत्तर—21. मनरेगा अधिनियम।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. विकास की उच्च दर ने निर्धनता को कम करने में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 1980 के दशक से भारत की आर्थिक संवृद्धि-दर विश्व में सबसे अधिक रही। संवृद्धि दर 1970 के दशक के करीब 3·5% के औसत से बढ़कर 1980 और 1990 के दशक में 6% के करीब पहुँच गई है अधिक संवृद्धि-दर निर्धनता उन्मूलन को कम करने में सहायक होती है। इसलिए यह स्पष्ट होता जा रहा है कि आर्थिक संवृद्धि और निर्धनता उन्मूलन के बीच एक घनिष्ठ सम्बन्ध है। आर्थिक संवृद्धि अवसरों को व्यापक बना देती है और मानव विकास में निवेश के आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराती है। यह शिक्षा में निवेश से अधिक आर्थिक प्रतिफल पाने की आशा में लोगों को अपने बच्चों को लड़कियों सहित स्कूल भेजने के लिए प्रोत्साहित करती है।

उत्तर—2. पृ.सं. 304 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 295 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 296 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 295 पर देखिए।

उत्तर—6. लघुउत्तरीय प्रश्न 1 का उत्तर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 294-295 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 304 पर प्र.नं. 8 का उत्तर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 301 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 301 अतिलघु उत्तरीय प्र.नं. 6 का उत्तर देखिए।

4 भारत में खाद्य सुरक्षा [Food Security in India]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. सहायिकी ऐसा भुगतान है जिसे सरकार किसी उत्पादक को उसके उत्पादक की बाजार कीमत से अतिरिक्त पूरक रूप में देती है। इससे सम्बन्धित वस्तु की उपभोक्ता-कीमत कम रहती है, साथ ही घरेलू उत्पादकों को अपनी आय लाभ बनाए रखने में सहायता मिलती है।

उत्तर—2. अकाल किसी क्षेत्र या देश की आबादी के एक बड़े हिस्से में गम्भीर और लम्बे समय तक रहने वाली भूख है, जिसके परिणामस्वरूप व्यापक और तीव्र कुपोषण और भुखमरी और बीमारी से मृत्यु होती है।

उत्तर—3. ये ऐसी 'राशन की दुकानें' हैं जो सरकार द्वारा निर्धन लोगों को नियन्त्रित कीमत पर गेहूँ, चावल, चीनी, कपड़ा, किरोसीन आदि अनिवार्य वस्तुएँ उपलब्ध करने के लिए खोली जाती हैं।

उत्तर—4. अकाल उस पारिस्थिति को कहते हैं जिसमें किसी क्षेत्र या देश की जनसंख्या का बड़ा भाग अल्प भोजन और कुपोषण से ग्रस्त होता है जिसके कारण भुखमरी, जीवन का साधारण अंग बन जाती है।

उत्तर—5. (1) नाइट्रोजन उर्वरकों का उपयोग, (2) रेगिस्तानी कृषि, (3) आधुनिक कृषि तकनीक का उपयोग।

उत्तर—6. भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त राशन कार्ड 4 प्रकार के होते हैं जिनकी पहचान अलग-अलग रंगों से होती है—

नीला—गरीब रेखा से नीचे बी. पी. एल.

गुलाबी—गरीबी रेखा से ऊपर ए. पी. एल.

सफेद—पी. एच. एच. (प्राथमिक धरेलू)

पीला—अंत्योदय (ए. ए. वर्ड)

उत्तर—7. इस संस्था ने महाराष्ट्र के विभिन्न भागों में अनाज बैंकों की स्थापना के लिए गैर-सरकारी संगठनों के नेटवर्क की सहायता की। यह संस्था गैर-सरकारी संगठनों के लिए खाद्य सुरक्षा के विषय में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम का संचालन करती है।

उत्तर—8. अखिल भारतीय स्तर पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली की खाद्यान्नों की औसत उपभोग मात्रा एक किलोग्राम प्रति व्यक्ति प्रतिमाह है।

उत्तर—9. अनाजों से भरे अन्न भण्डारों के बावजूद भुखमरी की घटनाएँ हो रही हैं।

उत्तर—10. न्यूनतम समर्थन मूल्य किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य प्रदान करके कृषि उत्पादन बढ़ाने को प्रेरित करता है।

उत्तर—11. सन् 1940 में राशन-व्यवस्था की शुरूआत हुई।

उत्तर—12. राशन कार्ड रखने वाले कोई भी परिवार प्रतिमाह इनकी एक अनुबन्धित मात्रा (जैसे 35 किलोग्राम अनाज, 5 लीटर मिट्टी का तेल, 5 किलोग्राम चीनी) निकटवर्ती राशन की दुकान से खरीद सकता है।

उत्तर—13. सोमालिया में अकाल का कारण एक विफल प्रशासन की वजह से आया।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.नं. 6 अतिलघु उत्तरीय देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 312 पर देखिए।

उत्तर—3. उपभोक्ताओं को रियायती कीमतों पर आवश्यक उपभोग की वस्तुएँ प्रदान करता है ताकि मूल्य वृद्धि के प्रभावों से बचाया जा सके तथा नागरिकों में न्यूनतम पोषण की स्थिति को भी बनाए रखा जा सके।

उत्तर—4. पृ.सं. 315 पर प्र.नं. 6 का उत्तर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 306-307 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. काम के बदले अनाज कार्यक्रम को 150 पिछड़े जिलों में पूरक मजदूरी रोजगार सृजित करने के उद्देश्य से 14 नवम्बर 2004 को लागू किया गया था। यह 100% केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम है जिसमें राज्यों को नि:शुल्क अनाज उपलब्ध कराने का प्रावधान है। काम के बदले अनाज कार्यक्रम को सबसे पहले 1970 के दशक में चलाया गया था।

उत्तर—2. पृ.सं. 312 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 310 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 311-312 पर देखिए।